



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 444 ]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 2, 2001/आषाढ़ 11, 1923

No. 444 ]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 2, 2001/ASADHA 11, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2001

आय-कर

का.आ. 630(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर नौवाँ संशोधन नियम, 2001 है।
- 2 (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. आय-कर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में प्ररूप सं. 3 गड़क के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:—

“प्ररूप सं. 3 गड़क

(नियम 6ज देखिए)

मंदी विक्रय की दशा में पूंजी अभिलाभों की संगणना से संबंधित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 50ख की उपधारा (3) के अधीन निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अकाउंटेंट की रिपोर्ट

1. निर्धारिती की ऐसी विशिष्टियां जो मंदी विक्रय को प्रभावित करती हैं

(क) नाम

(ख) पता

(ग) स्थायी लेखा संख्यांक

(घ) कारबार की प्रकृति

2. मंदी विक्रय के रूप में अंतरित किए गए उपक्रम या प्रभाग के ब्यौरे

(क) पता/अवस्थिति

(ख) कारबार की प्रकृति

3. ऐसे व्यक्ति का नाम, पता और स्थायी लेखा संख्यांक जिसने मद 2 में निर्दिष्ट उपक्रम या प्रभाग को क्रय किया है .....
4. मद 2 में निर्दिष्ट उपक्रम या प्रभाग के मंदी विक्रय की तारीख .....
5. मद 2 में निर्दिष्ट मंदी विक्रय के लिए प्राप्त प्रतिकल की रकम .....
6. मद 2 में निर्दिष्ट उपक्रम या प्रभाग का शुद्ध मूल्य .....
- (क) अवश्यनीय आस्तियों की दशा में, धारा 43 के खंड 6 के उपखंड (ग) की मद (i) की उपमद (ग) के अनुसार मंदी विक्रय के रूप में अंतरित उपक्रम या प्रभाग की आस्तियों का अवलिखित मूल्य ..... रु
- (ख) अन्य आस्तियों की दशा में, ऐसी आस्तियों का बहीमूल्य ..... रु
- (ग) मंदी विक्रय के रूप में अंतरित उपक्रम या प्रभाग की कुल आस्तियों का सकल मूल्य [(क)+(ख)] ..... रु
- (घ) उपक्रम या प्रभाग से संबंधित देनदारियों का मूल्य जो लेखा बहियों में प्रकट की गई हैं ..... रु
- (ङ) उपक्रम या प्रभाग का शुद्ध मूल्य [(ग)—(घ)] ।

हस्ताक्षरित

\*\*अकाउंटेंट

**प्रमाणन**

\*मैं/हम.....(नाम) ने.....को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान.....(निर्धारित का नाम और पता) के लेखाओं और अभिलेखों की जांच कर ली है।

\*मैंने/हमने ऐसी सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार उपक्रम या प्रभाग जिन्हें मंदी विक्रय के रूप में अंतरित किया गया है, के शुद्ध मूल्य को अभिनिश्चित करने और उसकी संगणना करने के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।

\*मैं/हम यह प्रमाणित करते हैं कि उपक्रम या प्रभाग का शुद्ध मूल्य आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 50ख के उपबंधों के अनुसार सही रूप में संगणित किया गया है।

हस्ताक्षरित

\*\*अकाउंटेंट

स्थान.....

तारीख.....

**टिप्पण :—**

1. \*जो लागू न हो उसे काट दें।
2. \*\*अकाउंटेंट से आय-कर अधिनियम की धारा 288 की उपधारा (2) के नीचे स्पष्टीकरण में यथापरिभाषित अकाउंटेंट अभिप्रेत हैं।
3. मद 6 में रकम को उपदर्शित करते समय आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन के मद्दे आस्तियों के मूल्य में किसी परिवर्तन को ध्यान में नहीं लाया जाएगा।
4. यह प्ररूप आय-कर अधिनियम की धारा 139 के उपबंधों के अनुसार लाभ तथा हानि लेखा और तुलनपत्र या संपरीक्षित लाभ तथा हानि और तुलनपत्र की प्रतियों के साथ साम्यकतः संलग्न करके आय की विवरणी के साथ फाइल किया जाएगा।
5. मंदी विक्रय के रूप में प्रत्येक उपक्रम या प्रभाग के शुद्ध मूल्य की संगणना पृथकतः उपदर्शित करें।''

[अधिसूचना सं. 199/2001/फा. सं. 142/43/2001-टीपीएल]

ब्रह्मसला झा यादव, अवर सचिव

**टिप्पण—** मूल नियम अधिसूचना सं. का. आ. 1969 तारीख 26.3.1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम बार अधिसूचना सं. 198/2001 द्वारा संशोधित किए गए थे।

**MINISTRY OF FINANCE****( Department of Revenue )****( CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES )****NOTIFICATION**

New Delhi the 2nd July, 2001

**INCOME-TAX**

**S.O. 630(E).**—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

- 1 (1) These rules may be called the Income-tax (9th Amendment) Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
2. In the Income-tax Rules, 1962, in Appendix II, for Form No. 3CEA, the following shall be substituted, namely:—

**“FORM No. 3CEA**

[See rule 6H] .

**Report of an accountant to be furnished by an assessee under sub-section (3) of section 50B of the Income-tax Act, 1961 relating to computation of capital gains in case of slump sale**

- 1 Particulars of the assessee effecting the slump sale .....
  - (a) Name .....
  - (b) Address .....
  - (c) Permanent account number .....
  - (d) Nature of business .....
- 2 Details of the undertaking or division, transferred by way of slump sale .....
  - (a) Address/location .....
  - (b) Nature of business .....
3. Name, address and permanent account number of the person who has purchased the undertaking or division referred to in item 2. ....
- 4 Date of slump sale of the undertaking or division referred to in item 2. ....
- 5 Amount of consideration received for slump sale referred to in item 2. ....
6. Net worth of the undertaking or division referred to in item 2:
  - (a) In the case of depreciable assets, written down value of the assets of the undertaking or division transferred by way of slump sale, determined in accordance with sub-item (C) of item (i) of sub-clause (c) of clause (6) of section 43. Rs. ....
  - (b) In the case of other assets, book value of such assets. Rs. ....
  - (c) Aggregate value of total assets of the undertaking or division transferred by way of slump sale [(a)+ (b)] Rs. ....
  - (d) Value of liabilities relatable to the undertaking or division as appearing in the books of accounts Rs. ....
  - (e) Net worth of the undertaking or division [(c) – (d)] Rs. ....

Signed

\*\* Accountant

**Certification**

\* I/We \_\_\_\_\_ (name) have examined the accounts and records of \_\_\_\_\_ (name and address of the assessee) during the year ended on \_\_\_\_\_.

\* I/We have obtained all the information and explanations which to the best of \* my/our knowledge and belief were necessary for the purposes of ascertaining and computing the net worth of the undertaking or division which has been transferred by way of slump sale.

\* I/We certify that the net worth of the undertaking or division has been computed correctly in accordance with the provisions of section 50B of the Income-tax Act, 1961.

.....  
Signed

\*\* Accountant

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

**Notes:—**

1. \* Delete whichever is not applicable.
2. \*\* Accountant means an accountant as defined in Explanation below sub-section (2) of section 288 of the Income-tax Act.
3. Any change in the value of assets on account of revaluation of assets<sup>1</sup> shall be ignored while indicating amounts in item 6.
4. This form shall be filed along with return of income duly accompanied by copies of the profit and loss account and balance sheet or audited profit and loss account and balance sheet in accordance with the provisions of section 139 of the Income-tax Act.
5. Indicate separately the computation of net worth of each undertaking or division transferred by way of slump sale."

[Notification No. 199/2001 F. No. 142.43.2001-TPL ]

BATSALA JHA YADAV, Under Secy.

**Note:—** The principal rules were published vide Notification number S.O. 969(E) dated 26-3-1962 and were last amended vide Notification number 198/2001 dated 2-7-2001.